डायमण्ड कॉमिक्स

D.300 Rs. 20.00

प्रा०। चाचा चौधरी और राका का इंतकाम

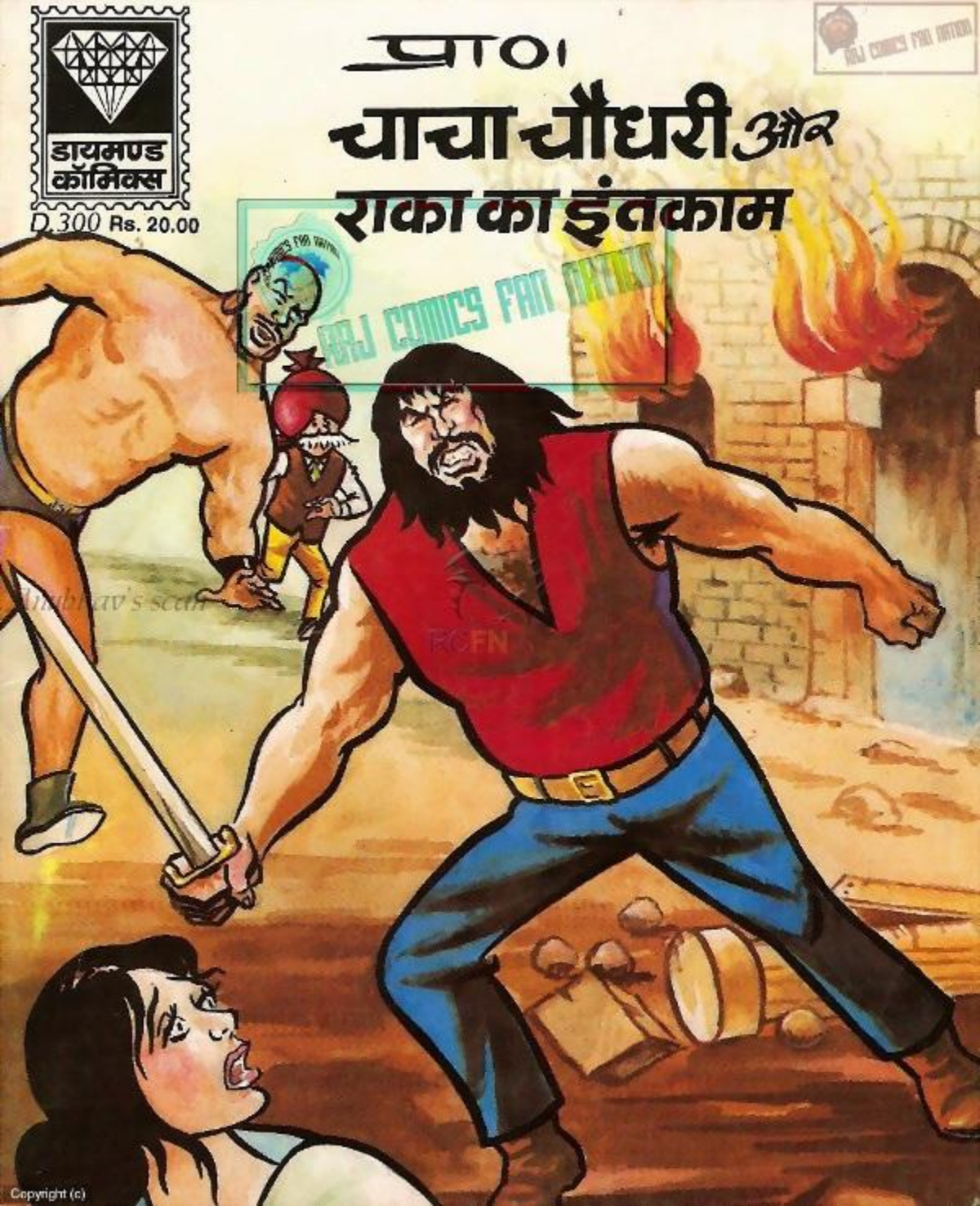

Copyright (c)

चाचा चौधरी - राका का इंतकाम

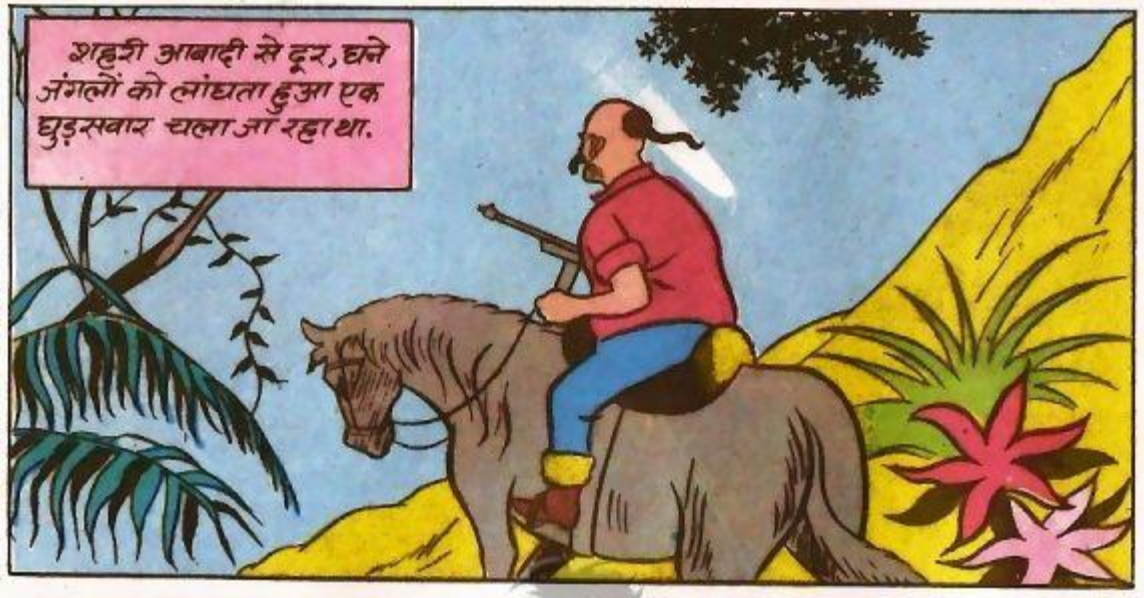

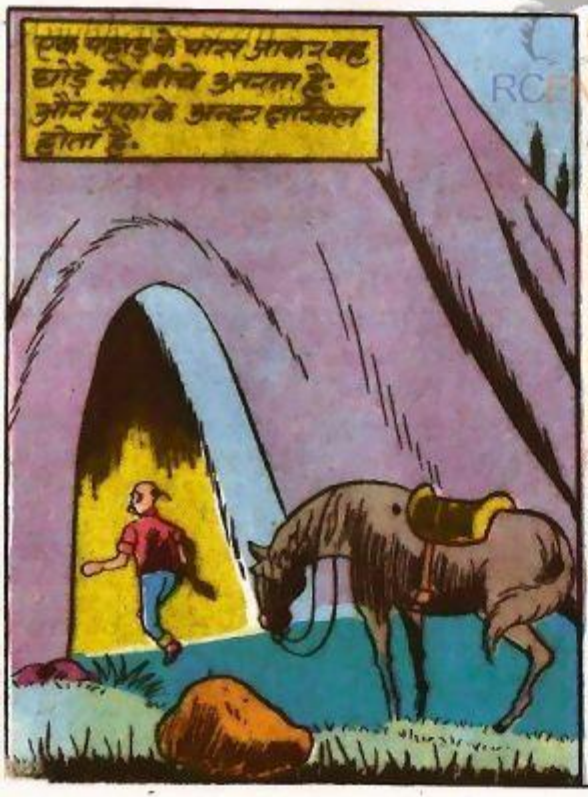

Copyright (c)

मुझे याद है, जब डाकुओं का नेतृत्व राका के हाथों में था तो हे गगोल देवता! हर पूर्णिमा की रात को, जब चांदनी इस जंगल में सफेद चादर सी फैली होती थी तुम्हें आदमी के खून से नहाया जाता था.

...फिर नरमुण्डों के गहनों से तुम्हें सजाया जाता था. तुम खुशी से झूम उठते थे और डाकुओं को कामयाबी का वरदान देते थे.

...अब वह सब नहीं रहा. गगोल देवता उदास है. यह वादी वीरान है और मेरा दिल बुझा हुआ है. यह सब हमारे सरदार राका के जाने के कारण हुआ. जिसे चाचा चौधरी ने समुद्र में फिंकवा दिया था.

सारे डाकू मारे गए हैं. या जेलों में सड़ रहे हैं. मैं बचा हूं. मुझे शक्ति दो कि मैं चाचा चौधरी को मार कर बदला लूं.

और शरदीन का घोड़ा जंगल को चीरता हुआ शहर की तरफ चल देता है.

Copyright (c)

चाचा चौधरी घर पर...

भागवान! मेरा भीमसैनी लट्ठ कहां है? बहुत दिनों से मैंने उसे नहीं देखा.

काफी दिनों से चोर उच्चक्का घर में नहीं आया. इसलिए लट्ठ की जरूरत नहीं पड़ी.

क्यों? अभी पिछले हफ्ते तो एक आदमी ने हमारे घर में सेंध लगाने की कोशिश की थी.

वह अनाड़ी चोर था. खोपड़ी पर दो बेलन पड़ते ही वह भाग खड़ा हुआ.

फिर भी अगर चीज बिना इस्तेमाल किए पड़ी रहे तो वह नाकाश हो जाती है. लट्ठ का इस्तेमाल कहीं न कहीं तो करना ही है.

देखता हूं शायद जहां फालतू चीजें रखी रहती हैं, उस स्टोर में वह पड़ा हो.

मिल गया. बेचारे की क्या दशा हो गई है? धूल की परत जम गयी है और इसके इर्दगिर्द मकड़ी ने जाला बुन दिया है.

Copyright (c)

इस लट्ठ को लेकर जरा शहर का चक्कर लगाया जाए. बड़े दिनों से इसे हवा नहीं मिली.
और एक गली की नुक्कड़ पर...
तड़ड़ड़ड़
भागो!
चाचा चौधरी ! आज तुम्हारी जिन्दगी का आखिर दिन है.

Copyright (c)

कहां गया वह कमबख्त?
अच्छा? जान बचाने के लिए गटर में जा छुपा है. चाचा चौधरी! अब तुम फंस गए.
धड़ाक!
आह!
धड़ाम!!
धन्यवाद चौधरी! यह डाकू बहुत दिनों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था.

Copyright (c)

इन्सपेक्टर साहब एक बात मेरी समझ में नहीं आयी. डाकू के पास स्टेनगन थी और चाचा चौधरी के हाथ में मामूली लाठी. फिर भी जीत चाचा चौधरी की हुई?
क्योंकि चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है.

खूंखार डाकू राका ने वैद्यराज चक्रभाचार्य की ऐसी अद्भुत दवाई पी रखी है जिससे वह मर नहीं सकता. गुरू वज्रदेव का फल निगल कर राका चिरनिद्रा सो गया. साबू ने राका को समुद्र में फेंक दिया. जहां उसे विशाल मछली व्हेल निगल गई. वह कई दिनों तक गहरे समुद्र में एक जगह से दूसरी जगह तैराती रही.

डाकू राका व्हेल मछली के पेट में अवचेतन अवस्था में पड़ा रहा.

एक दिन अचानक राका का मुंह खुलता है और चिरनिद्रा का फल उसके मुंह से बाहर आ जाता है.

Copyright (c)

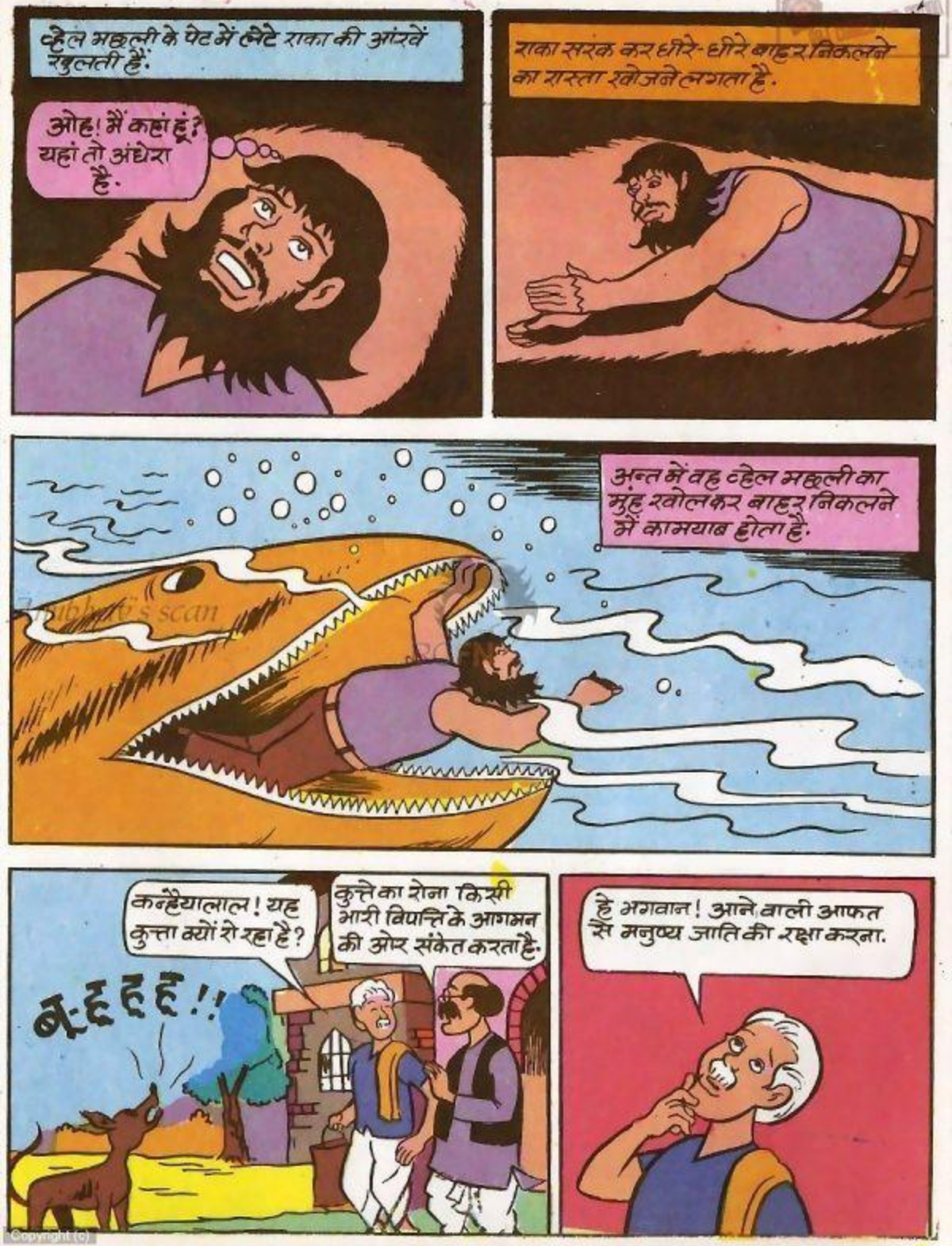
व्हेल मछली के पेट में लेटे राका की आंखें खुलती हैं.
ओह! मैं कहां हूं? यहां तो अंधेरा है.
राका सरक कर धीरे-धीरे बाहर निकलने का रास्ता खोजने लगता है.
अन्त में वह व्हेल मछली का मुंह खोलकर बाहर निकलने में कामयाब होता है.
कन्हैयालाल! यह कुत्ता क्यों रो रहा है?
कुत्ते का रोना किसी भारी विपत्ति के आगमन की ओर संकेत करता है.
ब-ह ह ह!!
हे भगवान! आने वाली आफत से मनुष्य जाति की रक्षा करना.

राका समुद्र की गहराई से ऊपर सतह की ओर चल देता है.
समीर! पानी के नीचे कुछ अजीब सी हलचल हो रही है.
निधि! बेफ़िक्र होकर बोट की यात्रा का आनंद लो. समुद्र में तो हलचल होती रहती है.
ओह! यह क्या?
निधि सम्भलो.
चूहो! जाओ! पानी में मछलियों का भोजन बनो.

Copyright (c)

चाचा चौधरी और साबू ने मुझे बहुत नुकसान पहुंचाया है. उनसे इन्तकाम लेना है. अगर मैं लोगों की हत्याएं करूंगा तो चाचा चौधरी उन्हें बचाने जरूर आएगा.

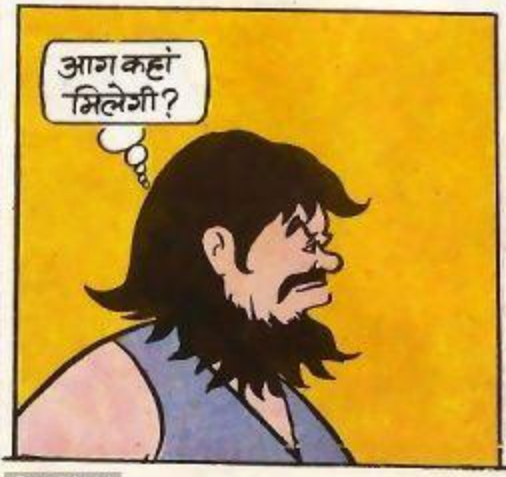

Copyright (c)

अन्दर बेखबर दर्शक फिल्म देखने में तल्लीन हैं.
रीटा! आओ हम कहीं दूर चले जाएं. जहां हमारे सिवाय और कोई न हो.

इस थियेटर को जलाने के लिए यह पेट्रोल काफी है.

इससे बेहतर 'शो' इस थियेटर में शायद ही कभी हुआ हो ?

और राका ने ज्योंही आग दिखाई कि पेट्रोल में भीगा थियेटर धूं-धूं करके जल उठा.

Copyright (c)

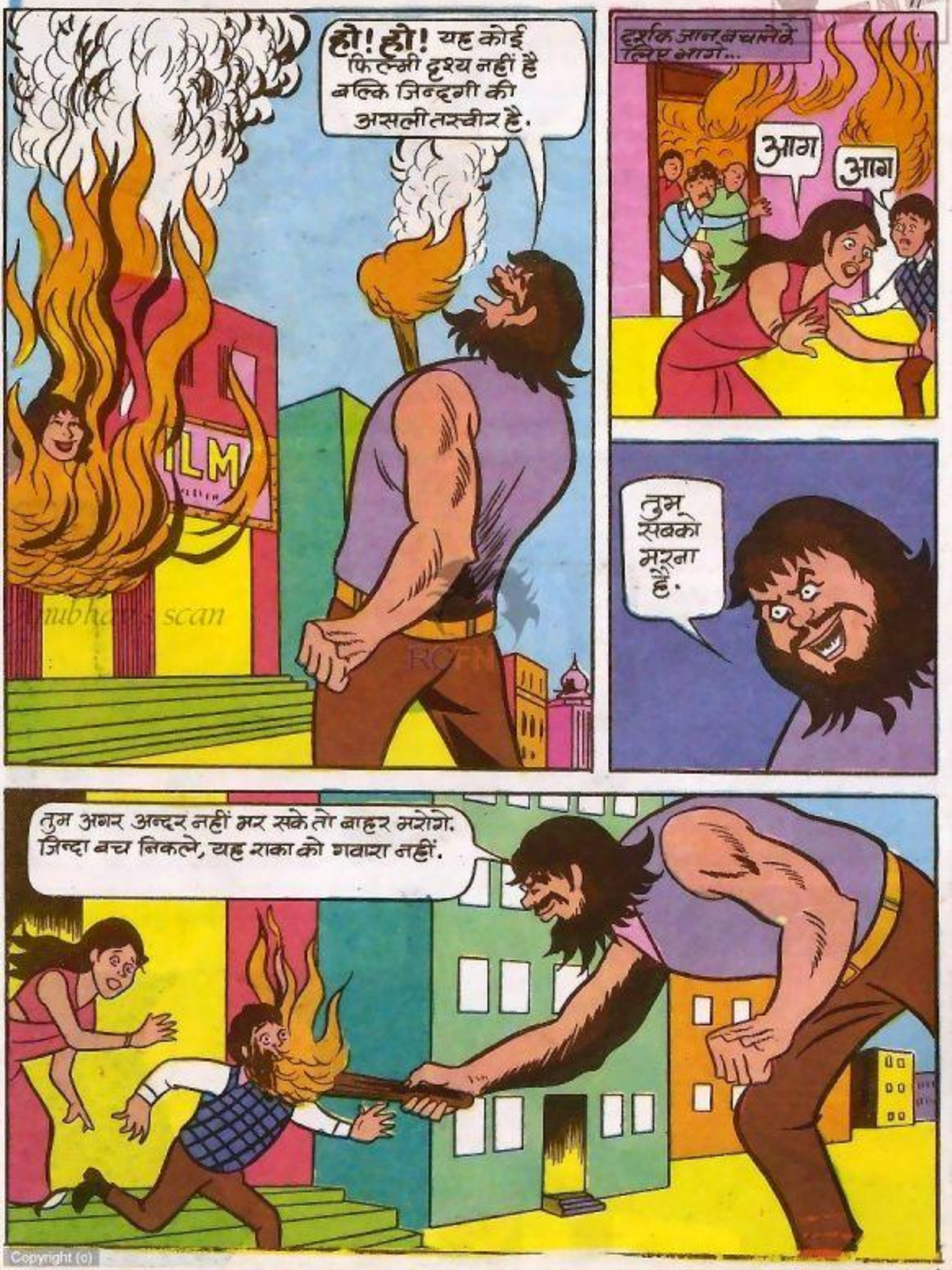
हो! हो! यह कोई फिल्मी दृश्य नहीं है बल्कि जिन्दगी की असली तस्वीर है.
ILM
दूर्क जान बचाने के लिए भागे...
आग
आग
तुम सबको मरना है.
तुम अगर अन्दर नहीं मर सके तो बाहर मरोगे. जिन्दा बच निकले, यह राका को गवारा नहीं.
Copyright (c)

बचाओ

राका खुद अपने ढंग की 'फिल्म' बनाता है. तुम सब एक्टर्स हो और मैं तुम्हारा डायरेक्टर.

दूसरे दिन चाचा चौधरी के निवास स्थान पर...

चाचा जी अखबार में ऐसी क्या खबर है कि लगता है जैसे एक ही सांस में सारे पृष्ठ चट कर जाओगे ?

साबू ! जो कुछ खाना पीना हो, खा पी लो और कमर कस कर तैयार हो जाओ.

क्या शहर में कोई दंगल हो रहा है ?

Copyright

नहीं! अखबार में खबर है कि खंखार राका लौट आया है. कल उसने एक सिनेमा के थियेटर में आग लगा दी. जिसमें पांच सौ दर्शक जल कर राख हो गए.
वह जालिम फिर तबाही मचाएगा?
इसमें कोई शक नहीं. हमारे लिए वह एक चैलेंज बन कर खड़ा हो गया है.
इस बार मैं कमबख्त को जान से खत्म कर दूंगा.
काश! हम ऐसा कर पाते? चक्रमाचार्य की दवाई हमारे आगे आड़े आ जाती है.
मुझे राका के पास ले चलो.
Copyright (c)

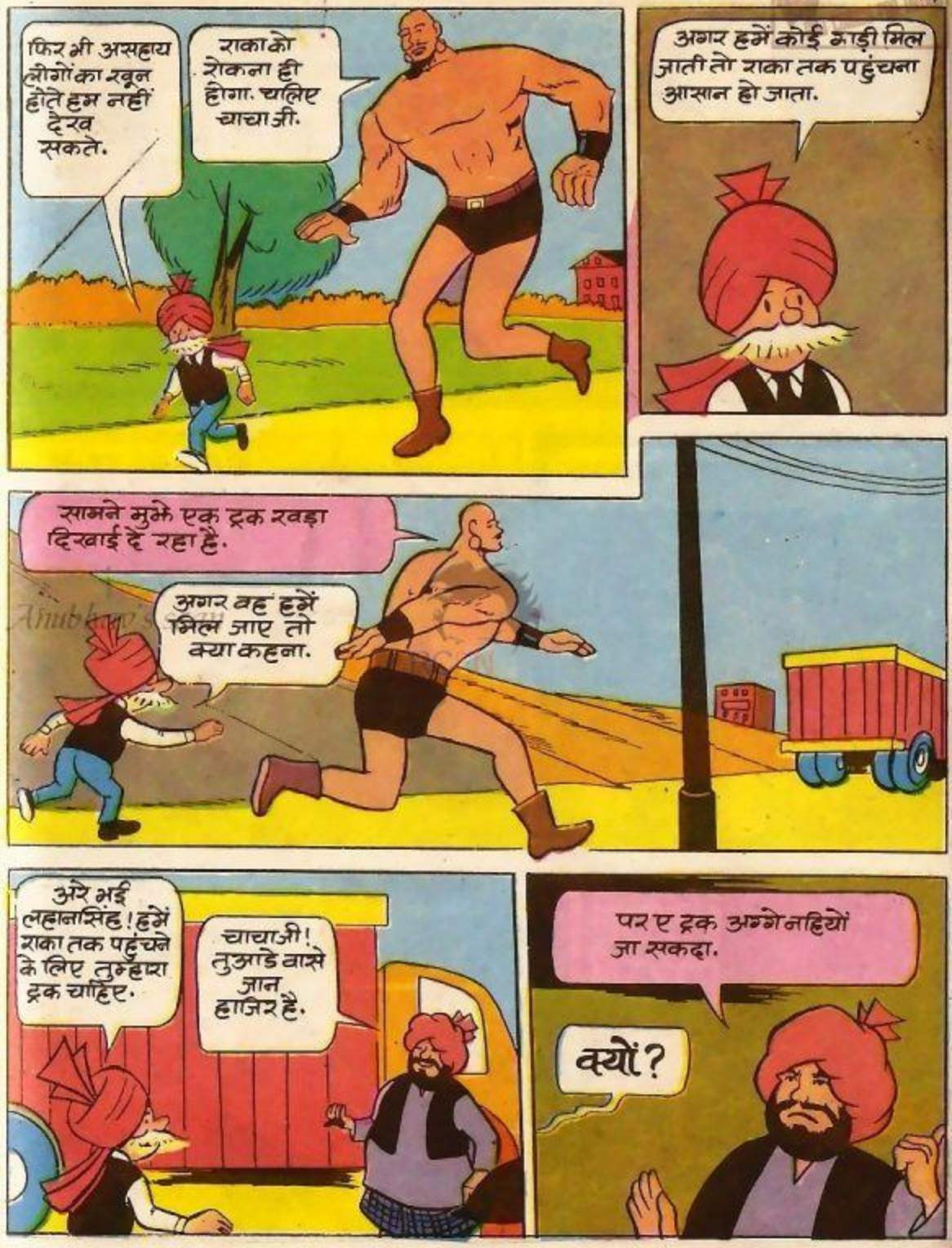
फिर भी असहाय लोगों का खून होते हम नहीं देख सकते.
राका को रोकना ही होगा. चलिए चाचा जी.
अगर हमें कोई गाड़ी मिल जाती तो राका तक पहुंचना आसान हो जाता.
सामने मुझे एक ट्रक खड़ा दिखाई दे रहा है.
अगर वह हमें मिल जाए तो क्या कहना.
अरे भई लहनासिंह! हमें राका तक पहुंचने के लिए तुम्हारा ट्रक चाहिए.
चाचाजी! तुआडे वास्ते जान हाजिर है.
पर ए ट्रक अग्गे नहियों जा सकदा.
क्यों?

Copyright (c)

क्योंकि ट्रक दे टायर विचों हवा निकली होयी ऐ.
टायर में हवा भरना हम पर छोड़ दो.

साबू! जरा ट्रक के टायर में हवा भरना.

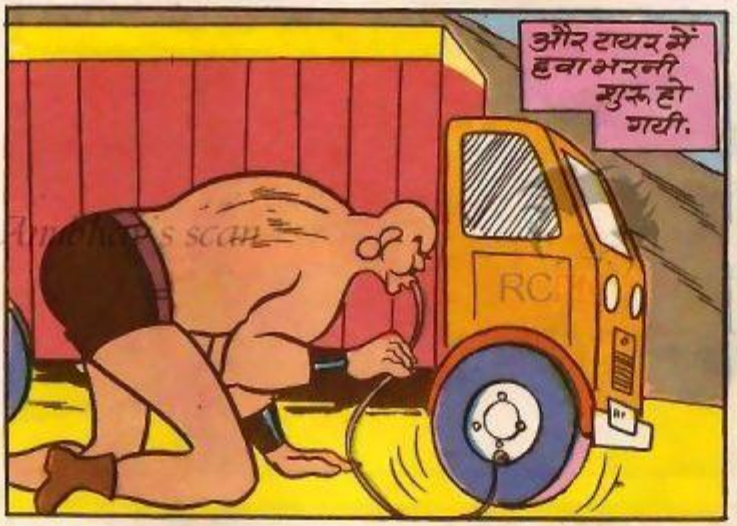
और टायर में हवा भरनी शुरू हो गयी.
RC

अरर, साबू! रुको!
क्यों?

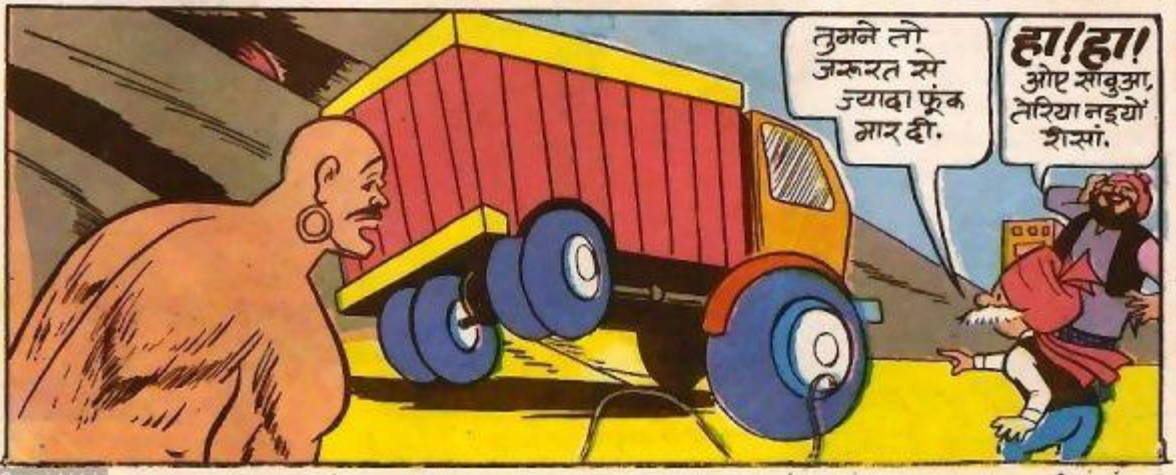
तुमने तो जरूरत से ज्यादा फूंक मार दी.
हा! हा! ओए साबुआ, तेरिया नइयों शिसां.

Copyright (c)

चाचाजी! तुसी चिन्ता न करो. टायर विचों हवा कढना मुश्किल नहीं.

फिस स स

लो, हुन हवा पूरी है. तुसी जित्थे चाहो ट्रक ले जा सकदे हो.

चाचा चौधरी और साबू चल दिए.

सच्चे बादशाह! ऐनानू जालिम शका नाल निबटन वास्ते शक्ति दई.

चाचाजी! जरा स्पीड बढ़ाओ.

उधर...

सर! यह वही है जिसने कल थियेटर को जलाकर राख कर दिया था. और आज भी शहर में आगजनी की वारदातें कर रहा है.

यह तो शका है. यह मनहूस कैसे वापस आ गया?

Copyright (c)

सर! यह पुराना मुजरिम लगता है.

रुको! अपने आपको पुलिस के हवाले कर दो.

ठीक है, इन्सपेक्टर! लो.

आह!

तेरी यह मजाल कि हमारे अफसर के साथ गुस्ताख़ी?

धांय

तुम ऐसे नहीं मानोगे. यह लो.

POLICE

गोली का उस पर कोई असर नहीं. आग निकलना चाहिए.

लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. आग की लपटों ने जीप को जकड़ लिया था.

comicsindia

हो! हो! सारा शहर जला कर राख का ढेर कर दूंगा. इन्तकाम!

उधर चाचा चौधरी और साबू बढ़े चले आ रहे थे.

आगे वही शहर है, जहां राका ने कोहराम मचा रखा है.

सामने प्रोफेसर गोडबोले आ रहे हैं. वह मेरे मित्र हैं. वह इसी शहर के निवासी हैं. और प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं. वह शायद बताएं कि राका शहर के किस हिस्से में होगा.

प्रोफेसर गोडबोले! हम राका से निबटने आए हैं.

चौधरी! राका बेशुमार हत्याएं कर रहा है. अगर उसे रोका न गया तो दो चार दिनों में ही...

...खूबसूरत शहर श्मशान बन जाएगा. मैंने एक नई चीज़ का आविष्कार किया है. उसे देखते जाओ.

Copyright (c)

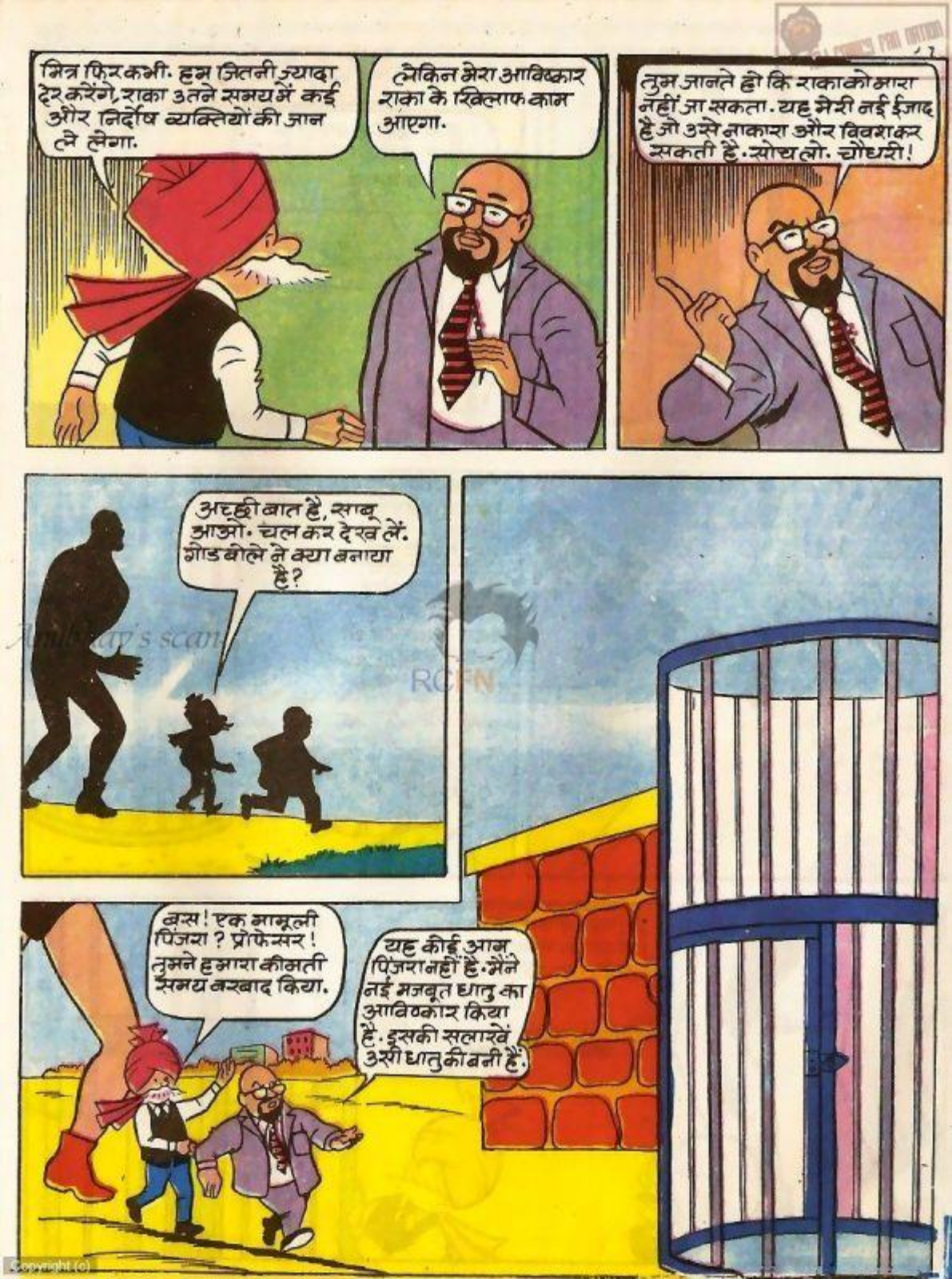
मित्र फिर कभी. हम जितनी ज्यादा देर करेंगे, राका उतने समय में कई और निर्दोष व्यक्तियों की जान ले लेगा.
लेकिन मेरा आविष्कार राका के खिलाफ काम आएगा.
तुम जानते हो कि राका को मारा नहीं जा सकता. यह मेरी नई ईजाद है जो उसे नाकारा और विवश कर सकती है. सोच लो. चौधरी!
अच्छी बात है, साहब आओ. चल कर देख लें. शीड बोले ने क्या बनाया है?
बस! एक मामूली पिंजरा? प्रोफेसर! तुमने हमारा कीमती समय बरबाद किया.
यह कोई आम पिंजरा नहीं है. मैंने नई मजबूत धातु का आविष्कार किया है. इसकी सलाखें उसी धातु की बनी हैं.

देखो! मैं इस पिंजरे में एक बहुत ज्यादा पॉवरफुल बम रखता हूं.
इस रिमोट कन्ट्रोल से मैं बम को बिस्फोट करता हूं.
कड़ कड़ कड़
गोडबोले! तुम्हारा आविष्कार सचमुच हैरानी पैदा करने वाला है. पिंजरे की सलाखें टेढ़ी नहीं हुई.
और उधर थोड़ी देर पहले जो वहां पत्थर की दीवार थी उसे देखो!
दोस्त राका को बन्द करने के लिए यह अद्वितीय पिंजरा काम में लाया जा सकता है.

Anubhav's scan
PCFN
Copyright (c)

प्रोफेसर गोडबोले! मुझे कोई ऐसा आदमी चाहिए जो जाकर राका को बता सके कि उसका दुश्मन नम्बर एक यहां पर है.

कोई आदमी क्यों, यह काम मैं कर सकता हूं.

नहीं, तुम एक विश्व विख्यात वैज्ञानिक हो. हम तुम्हारी जान खतरे में नहीं डाल सकते. राका द्वेष की आग से बौखलाया हुआ है. वह कुछ भी कर सकता है.

चिन्ता न करो, चौधरी. सैंकड़ों निर्दोष जानें बचाने के लिए किसी को तो कुर्बानी देनी ही होगी. यह नेक काम मैं क्यों न करूं?

और गोडबोले की कार सरसराती हुई राका को ढूंढने चल दी.

समुद्र के किनारे.

बॉल जिसके हाथ से नीचे गिरी उस पर एक प्वाइंट चढ़ गया समझो.

हा! हा!

इस खेल में कितना आनन्द आ रहा है.

Copyright (c)

थोड़ी दूर पर...

हा! हा! हो! हो!

यह कौन मेरे आराम में खलल डाल रहा है?

कीड़े, मकौड़ों! तुम्हारे शोर गुल से मेरी नींद टूट गई. तुम्हें इसकी सजा भुगतनी होगी.

तुम्हें ऐसी जगह भेजा जाए, जहां तुम शोर न कर सको.

जाओ पानी में गोते खाओ!

Copyright (c)

जो कोई तुममें से किनारे पर आएगा, मैं गला घोंट कर उसे मार दूंगा.

अब क्या होगा?

बचना मुश्किल है.

तभी...

बचाओ! बचाओ!

मगरमच्छ अपने इलाके में आए शिकार को नहीं छोड़ना चाहता था. वह उसे पानी के नीचे खींच ले चला.

हो! हो! एक-एक करके चारों लुप्त हो गए.

मेरी तलवार. अभी मुझे किन्हीं और से भी हिसाब चुकाना है. काश, मुझे कोई बता दे कि वह लाल पगड़ी वाला और उसका साथी कहां होंगे?

Copyright (c)

इतनी बड़ी छाया! वह राका ही हो सकता है. जी चाहता है कि पूरी स्पीड से कार उससे टकरा दूं.

यह कौन बदतमीज है?
सर्राट

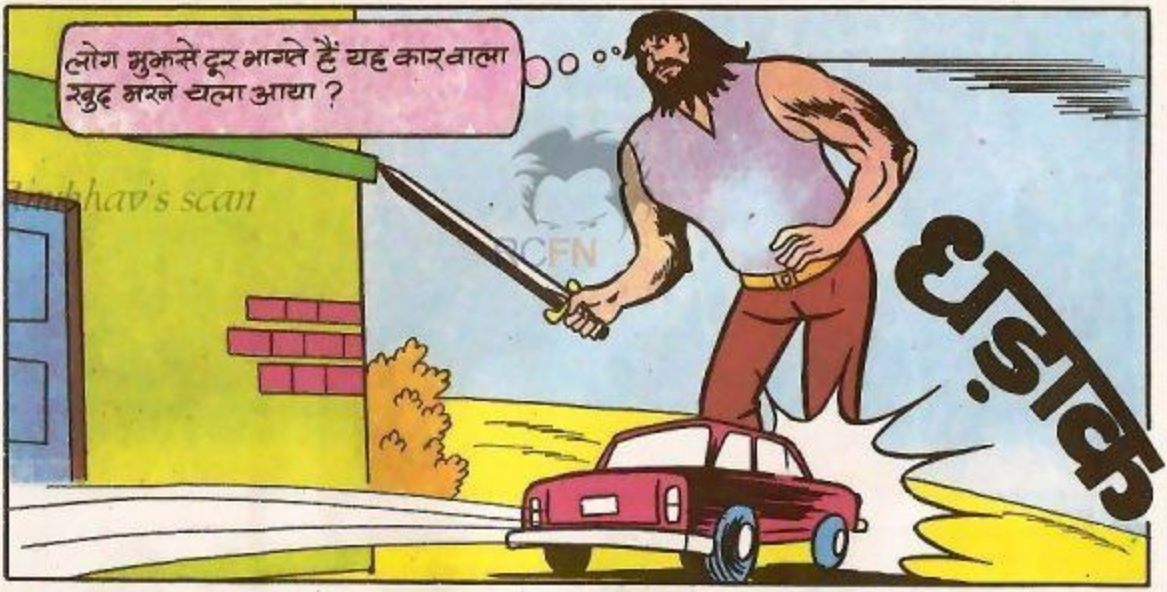
लोग मुझसे दूर भागते हैं यह कारवाला खुद मरने चला आया?
धड़ाक

छछूंदर! इससे पहले कि राका तुम पर अपनी तलवार चलाए. बताओ तू खुद मरने क्यों चला आया?

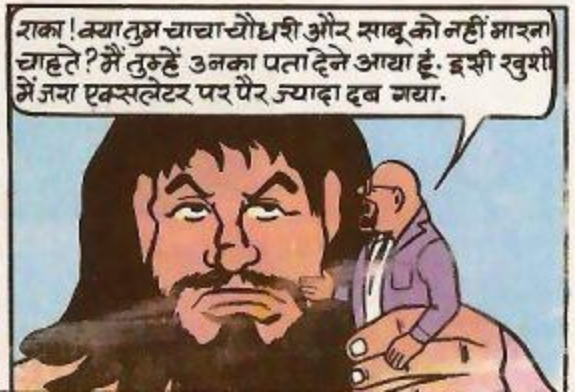
राका! क्या तुम चाचा चौधरी और साबू को नहीं मारना चाहते? मैं तुम्हें उनका पता देने आया हूं. इसी खुशी में जरा एक्सलेटर पर पैर ज्यादा दब गया.

Copyright (c)

छछूंदर! क्या तुम यह सब नाटक अपनी जान बचाने के लिए तो नहीं कर रहे?

राका! मैं कभी झूठ नहीं बोलता.

तो फिर मुझे बिना देर किए उनके पास ले चलो.

मेरी कार के पीछे आओ.

मुझे तेज दौड़ना चाहिए. अगर वह कार आंखों से ओझल हो गई तो फिर दूसरा आदमी कहां मिलेगा जो मुझे चाचा चौधरी के पास पहुंचा दे.

Anubhav's scan

प्रोफेसर गोड़बोले राका को ले आया. हमारी योजना कामयाब होती नजर आ रही है.

मेरे दुश्मन सचमुच यहां हैं.

Copyright (c)

छकुंदर! हर आदमी इस जमीन पर किसी खास मकसद के लिए जीता है. और मरता है. तुमने मुझे यहां पहुंचा दिया तुम्हारा काम खत्म हुआ. तुम्हारी जिन्दगी के दिन भी खत्म हुए.

राका नहीं!

ई ई ई ई ई ई ई

राका ने आज तक किसी को नहीं बख्शा!.

ओह! जालिम ने प्रोफेसर को मार डाला.

लाल पगड़ी! अब तेरा नम्बर है.

अब तुम और ऐसा नहीं कर सकते.

तुम बीच में फिर आ गए! पहले तेरी गर्दन कलम करता हूं.

सररराट

बच गया.

राका वार के खाली जाने से बौखला गया. उसने अंधाधुंध तलवार के हमले कर दिए.

यह वार भी बगल से निकल गया.

ओह! अगर मैं एकदम बैठता न तो तलवार मेरे सिर के आरपार हो जाती.

साबू! उसको हथियार से वंचित करो.

अबकी बार तुम्हारा सिर धड़ से अलग समझो.

बस काफी हो गया.

ओह ह ह

धड़ाक

Copyright

लो! कुछ दिन के तारे भी देखो.

ऊ ऊ ऊ

यह क्या कर रहे हो?

तुम्हारे लिए एक महल बनाया है. जहाँपनाह को वहाँ भेजने की यह तैयारी है.

साबू! पिंजरे का दरवाजा खुला है. इसे अन्दर फेंको.

शहंशाह आलम! जाइए! वहाँ तशरीफ रखिए. आपकी जगह वहाँ है.

Copyright (c)

मैं इन सलाखों को तोड़ दूंगा.
तुम इन्हें टेढ़ा भी नहीं कर सकते. यह पिंजरा एक नई धातु से बना है. जिसे प्रोफेसर गोडबोले ने ईजाद किया है.
देखते-देखते लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई.
मारो!
मारो!
मच्छरो! मैं बाहर निकल कर तुम सबको देख लूंगा.
सिपाही दुनीचंद! तुम्हारा काम है यहां पहरा देना. ताकि कोई इस पिंजरे को खोल न सके.
आप बेफ्रिक रहें.

Copyright (c)

चलो एक समस्या तो हल हुई.

सिर्फ थोड़े समय के लिए.

क्या मतलब? क्या यह सच नहीं है कि राका अद्भुत धातु के बने पिंजरे को नहीं तोड़ सकता?

यह सच है. अगर वह ताला तो उस धातु का नहीं बना? सवाल यह है कि यह बात कब राका की खोपड़ी में आती है.

तो फिर हमें क्या करना होगा? वह दरिंदा तो पिंजरे से निकलते ही मारकाट शुरू कर देगा.

हमें एक बार फिर वैद्यराज के गुरु वज्रदेव के पास जाना होगा वे कोई उपाय बताएंगे.

चाचा चौधरी और साबू हिमालय के घने जंगलों की तरफ चल दिए.

गुरु वज्रदेव के पास गए बगैर यह समस्या हल नहीं होगी.

Copyright (c)

पीछे...
भोगन! यह तय पाया था कि हम उस घर जाएंगे जहां डकैती डालना आसान हो. मगर तुम चाचा चौधरी के घर ले आए?
बोगन! चाचा चौधरी और साबू दोनों बाहर हैं, अकेली औरत को लूटना आसान नहीं तो और क्या है?
चोर इलाकों में यह बात मशहूर है कि जब चाचा चौधरी घर नहीं होता तब उसका घर ज्यादा सुरक्षित होता है.
बोगन! तू बड़ा डरपोक है. बाहर खड़ा होकर देखता रह कि कोई अन्दर न आए. मैं भीतर जाकर माल लाता हूं.
सब्जी तो बन गई. पता नहीं वे लोग कब घर लौटेंगे?
औरत! तुम्हें जिसका इंतजार था, वह आ गया. जल्दी बताओ सारी नगदी व कीमती जेवरात कहां रखे हैं?

Copyright (c)

वे सब अलमारी में तुम्हें मिलेंगे.
तुमने मेरा काम जल्दी निपटा दिया.
बेवकूफ औरत को पता नहीं कि मेरे पास खिलौना पिस्तौल है. इससे मक्खी भी नहीं डर सकती. यह रही अलमारी.
गररर !
ओह !
भौं ! भौं !
मर गए.
रॉकेट इन्हें दूर तक खदेड़ आओ !
भौं !

Copyright (c)

Amibhav's scan

Copyright (c)

चाचा चौधरी हैलीकोप्टर को लेकर उड़ चला.
कहो साबू, कैसी रही?
ऐसी एडवैंचरस यात्रा के आनंद का क्या कहना.
उत्तर की तरफ उड़ते हुए घंटा हो गया. अगले चंद मिनटों में हम हिमालय के जंगलों पर होंगे.
हमें जहां पहुंचना था वह अच्छी जगह है. हैलीकाप्टर उतारना चाहिए.
सुरक्षित उतर आए. गुरुवज्रदेव को खोजने में कुछ देर लगेगी.

Copyright (c)

यह जंगल शायद विश्व का सबसे घना है.

विश्व का सबसे घना न सही. पर जो घने जंगल हैं उनमें से एक जरूर है.

पता नहीं गुरुवज्रदेव ने इस जंगल को ही अपने रहने के लिए क्यों चुना?

उन्हें प्रकृति से बड़ा लगाव है इसलिए.

अरे बाबा ! आप यहां?

हम आपकी कुटिया की तरफ जा रहे थे.

Copyright (c)

इस घोंसले से चिड़िया का बच्चा नीचे गिर गया था. इसे वापस यहां छोड़ने आया हूं.

इतनी आयु में आप ऐसा काम करते हैं, जो आजकल के नौजवान भी नहीं कर सकते.
यह यहां की जलवायु और इस जंगल की दुर्लभ जड़ी बूटियों के सेवन का असर है.

कहो, चौधरी कैसे आना हुआ?
बाबा! राका फिर वापस आ गया है. और उसने चारों तरफ कोहराम मचा रखा है.

पिछली बार मैंने तुम्हें इस वृक्ष का फल दिया था जिसमें मनुष्य को चिरनिद्रा सुलाने की क्षमता थी. इस बार तुम्हें वह भी नहीं मिल सकता. क्योंकि इस पेड़ के सारे फल झड़ गए हैं अब तुम्हें अगले मौसम तक इन्तज़ार करना पड़ेगा.

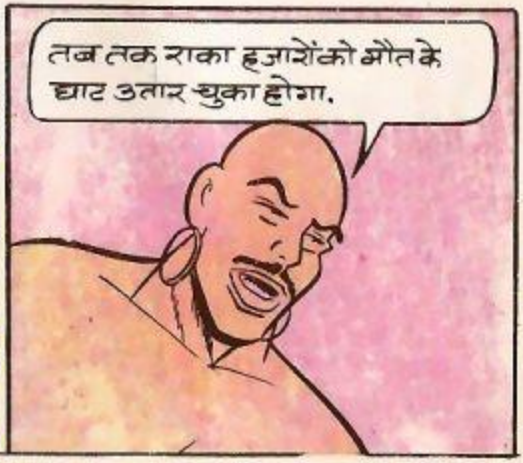
तब तक राका हजारों को मौत के घाट उतार चुका होगा.

तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं?

बाबा! आपको कुछ न कुछ उपाय सुझाना ही होगा. आखिर मनुष्य जाति के प्रति आपका भी तो कुछ उत्तरदायित्व है?
ठहरो! सोचने दो.

यहां से पश्चिम की ओर जाने पर तुम्हें एक श्रृंखला मिलेगी. जिस पर्वत पर त्रिशूल वाला झण्डा लहरा रहा हो उसके नीचे एक गुफ़ा है. गुफ़ा का द्वार भारी पत्थर से बन्द है. उसे उठाना होगा. अन्दर जाने पर एक महिला मिलेगी. नाम है शनरवो. वह मेरी नानी है. वह तुम्हारी मदद करेगी.

हा! हा! बाबा पिछली बार तुमने अपनी उम्र हजार से ऊपर बतायी थी. तुम्हारी नानी भला इस दुनिया में कहां होगी?

साबू! यहां की चमत्कारिक जड़ी-बूटियों ने इन लोगों को दीर्घायु प्रदान की है.

Copyright (c)

बाबा! माफ़ कर दो. हम त्रिशूल वाले पर्वत पर शनरबो नानी के पास जाएंगे.
एक बात याद रखना. शनरबो अद्भुत जादूगरनी है और थोड़ी गुस्सैली भी. इसलिए तुम्हारा साथी वहां कोई गुस्ताख़ी न करे.
और वे पश्चिम की ओर चल पड़े.
यह जंगल में रहने वाले भी बड़े रहस्यमयी लोग हैं.
काफ़ी समय तक उड़ते रहने के बाद वे पर्वत श्रृंखला के ऊपर पहुंचे.
और वह रहा त्रिशूल वाला झंडा! बस हमें यहीं उतरना है.

Copyright (c)

Copyright ICF

जादूगरनी शनरबो नानी.

ठहरो! कुछ देर के लिए यह खेल रोकना पड़ेगा

क्यों? तुम हारने वाली हो इसलिए?

नहीं! अभी जो हवा आई उसमें आदमी की गंध थी कोई यहां घुस आया है.

जादुई रस्सियो! जाओ, घुसपैठिए को बांध कर लाओ.

उसने हवा में जादुई छड़ी घुमाई.

Amibha scan

औह, यह क्या?

इससे पहले कि चाचा चौधरी और साबू कुछ सोच पाते वे खिंचे चले गए.

Copyright (c)

इससे पहले कि मैं तुम्हें सज़ा दूं, बताओ तुम कौन हो? और यहां चोरी से क्यों घुसे हो?

मैं चाहूं तो इन रस्सियों को तोड़ सकता हूं.

हां, बताओ?

नहीं, साबू! धैर्य से काम लो.

गुरू वज्रदेव ने हमें यहां भेजा है.

ओह! मेरे नाती वज्रू ने! तब तो तुम हमारे मेहमान हो!

जादुई रस्सियो! इनके बन्धन खोल दो.

शनखो नानी ने फिर छड़ी घुमाई.

हम आजाद हो गए.

अब हम तुम्हें यहां आने का मकसद बताते हैं.

Anubhav's scan

Copyright (c)

अभी नहीं. दूर से आए हो. पहले भोजन कर लो.
सचमुच, यह मेरी पसंद का खाना है.
बताओ मेरा नाती वज्र कैसा है? उसे देखे कई साल बीत गए. अब वह कमज़ोर हो गया होगा.
बिल्कुल नहीं. गुरु वज्रदेव हमें पेड़ पर चढ़े हुए मिले थे. उनमें अब भी नौजवानों वाली शक्ति है.
अब इतनी दूर आने का मकसद बताओ?
राका एक बेरहम डाकू है. उसने न मरने वाली औषधि पी रखी है. वह लोगों पर अत्याचार कर रहा है. हमने किसी तरह उसे एक पिंजरे में बन्द किया है. पर वह किसी वक्त भी ताला तोड़कर बाहर आ सकता है. नानी मां हमारी मदद करो.
देखो! जादू की भी अपनी सीमाएं हैं. कुदरत के नियमों को वह तोड़ नहीं सकता. इसलिए मेरा जादू भी राका की जान नहीं ले सकता.
हां, एक उपाय है. यह बोतल ले जाओ. और राका को इसमें बन्द कर दो. जब तक इस बोतल का कार्क लगा रहेगा, वह बाहर न आ सकेगा.

Copyright (c)

हा! हा! राका किसी चूहे का नाम नहीं है. वह लम्बा चौड़ा पहाड़ जैसा आदमी है. इतनी छोटी बोतल में वह कैसे आएगा?
आओ, चाचाजी! चलें. यहां आकर मुझे निराशा हुई.
ठहरो! यह देखते जाओ कि पहाड़ जैसा आदमी इतनी छोटी बोतल में कैसे आता है?
शनखो नानी जादू के इशारे करती है.
ओह! अजीब बात?
आओ!

Copyright (c)

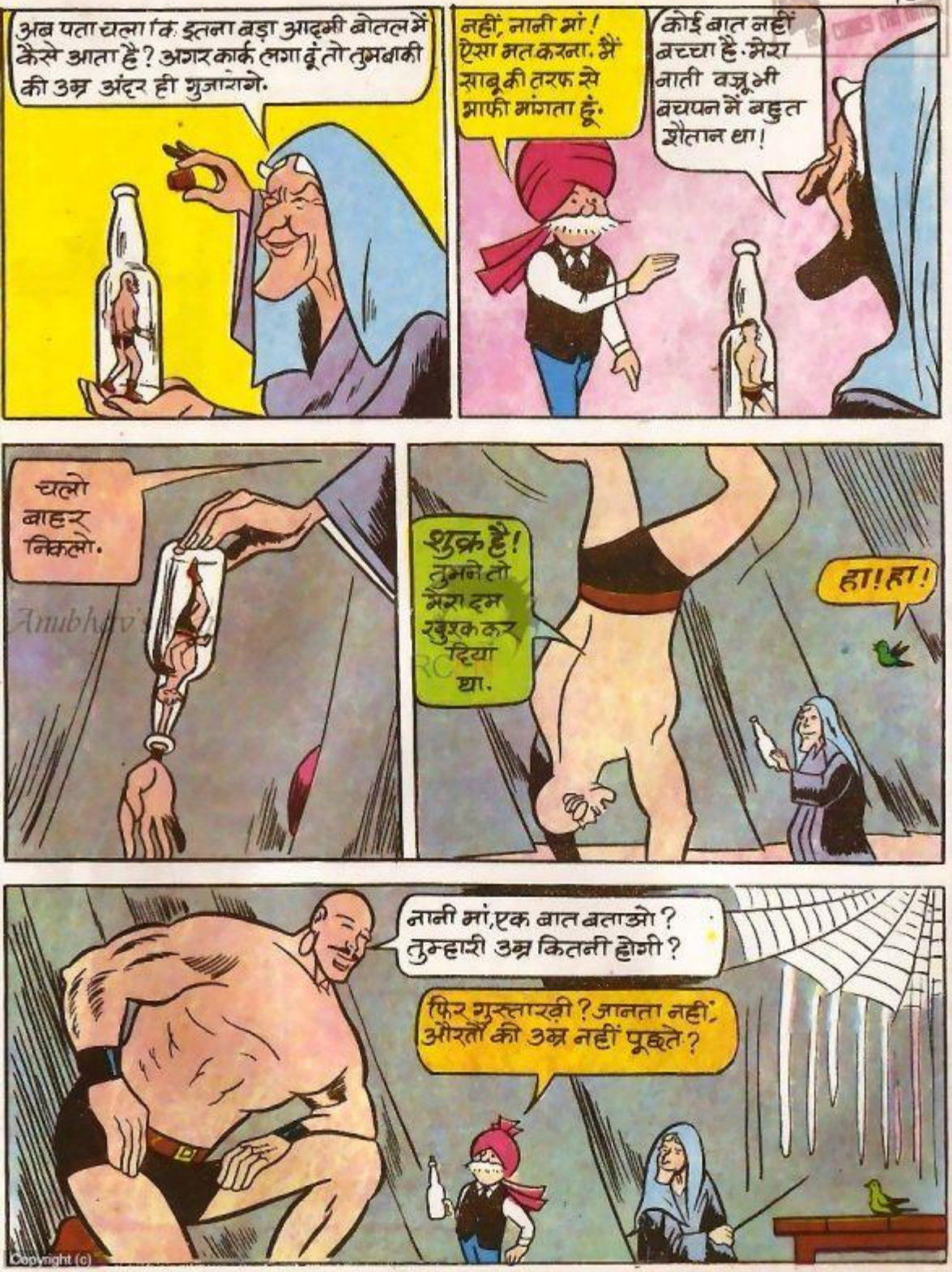
अब पता चला कि इतना बड़ा आदमी बोतल में कैसे आता है? अगर कार्क लगा दूं तो तुम बाकी की उम्र अंदर ही गुजारोगे.
नहीं, नानी मां! ऐसा मत करना. मैं साबू की तरफ से माफी मांगता हूं.
कोई बात नहीं बच्चा है. मेरा नाती वज्रू भी बचपन में बहुत शैतान था!
चलो बाहर निकलो.
शुक्र है! तुमने तो मेरा दम खुश्क कर दिया था.
हा! हा!
नानी मां, एक बात बताओ? तुम्हारी उम्र कितनी होगी?
फिर गुस्ताखी? जानता नहीं, औरतों की उम्र नहीं पूछते?

Copyright (c)

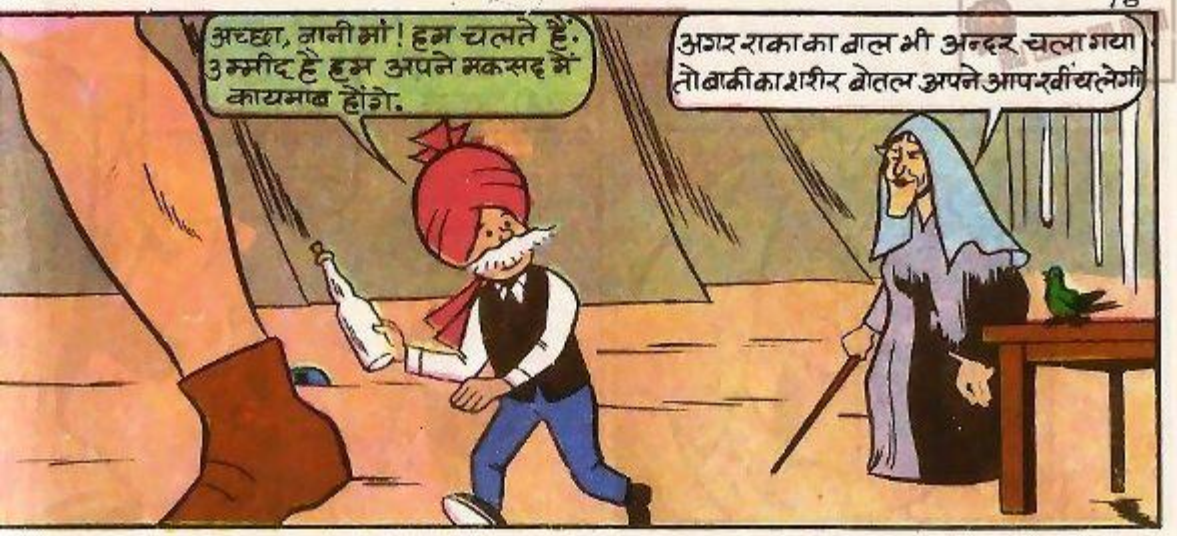
अच्छा, नानी मां! हम चलते हैं. उम्मीद है हम अपने मकसद में कायमाब होंगे.
अगर राका का बाल भी अन्दर चला गया तो बाकी का शरीर बोतल अपने आप खींच लेगी

चाचा चौधरी और साबू वापस शहर की तरफ चल दिए.
हैलीकोप्टर के पंखे तेज हवा फेंक रहे हैं.

उधर.
राका बैठा क्या सोच रहा है?
यही कि बाकी की जिन्दगी इस पिंजरे में कैसे बिताऊंगा?
लेकिन राका किसी और सोच में था.

Copyright (c)

पिंजरे पर लटकते ताले ने अचानक उसका ध्यान आकर्षित कर दिया.

इसे मैं तोड़ सकता हूं.

अररर! क्या करते हो. ताला छोड़ दो. नहीं तो मैं गोली मार दूंगा.

खटाक!

और ताला टूटकर अलग हो गया.

धांय

रुक जाओ!

Copyright (c)

धांय!

चूहे!

आहह!

चाचा चौधरी जब तक तुम चलकर मेरे पास नहीं आते. मेरी तलवार नरसंहार करती रहेगी.

मेरी तलवार!

और राका के पांव जहां पड़ते वहां लाशें बिछ जातीं.

Copyright (c)

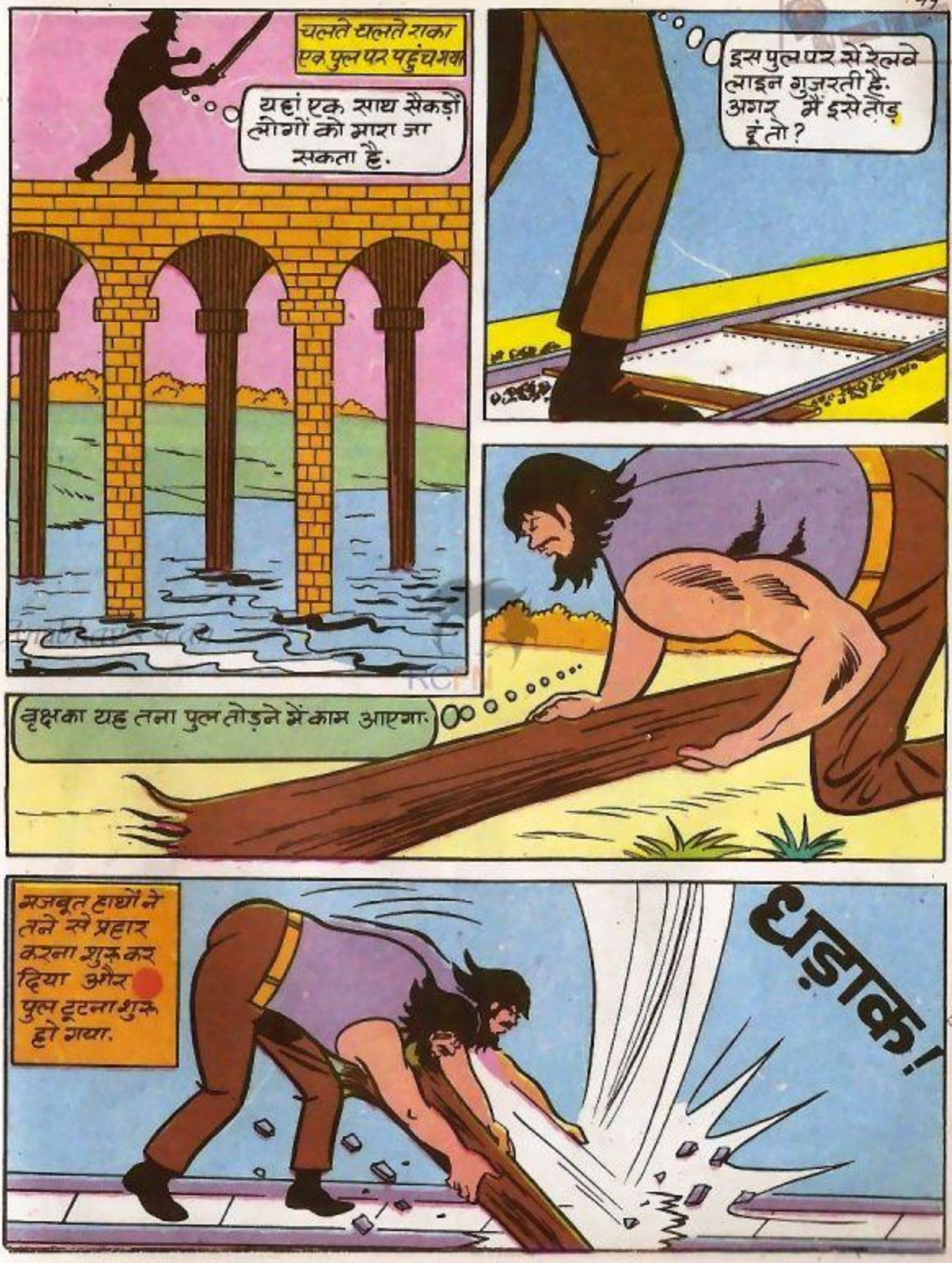
चलते चलते राका एक पुल पर पहुंच गया
यहां एक साथ सैकड़ों लोगों को मारा जा सकता है.
इस पुल पर से रेलवे लाइन गुजरती है. अगर मैं इसे तोड़ दूं तो ?
वृक्ष का यह तना पुल तोड़ने में काम आएगा.
मजबूत हाथों ने तने से प्रहार करना शुरू कर दिया और पुल टूटना शुरू हो गया.
धड़ाक!

Copyright (c)

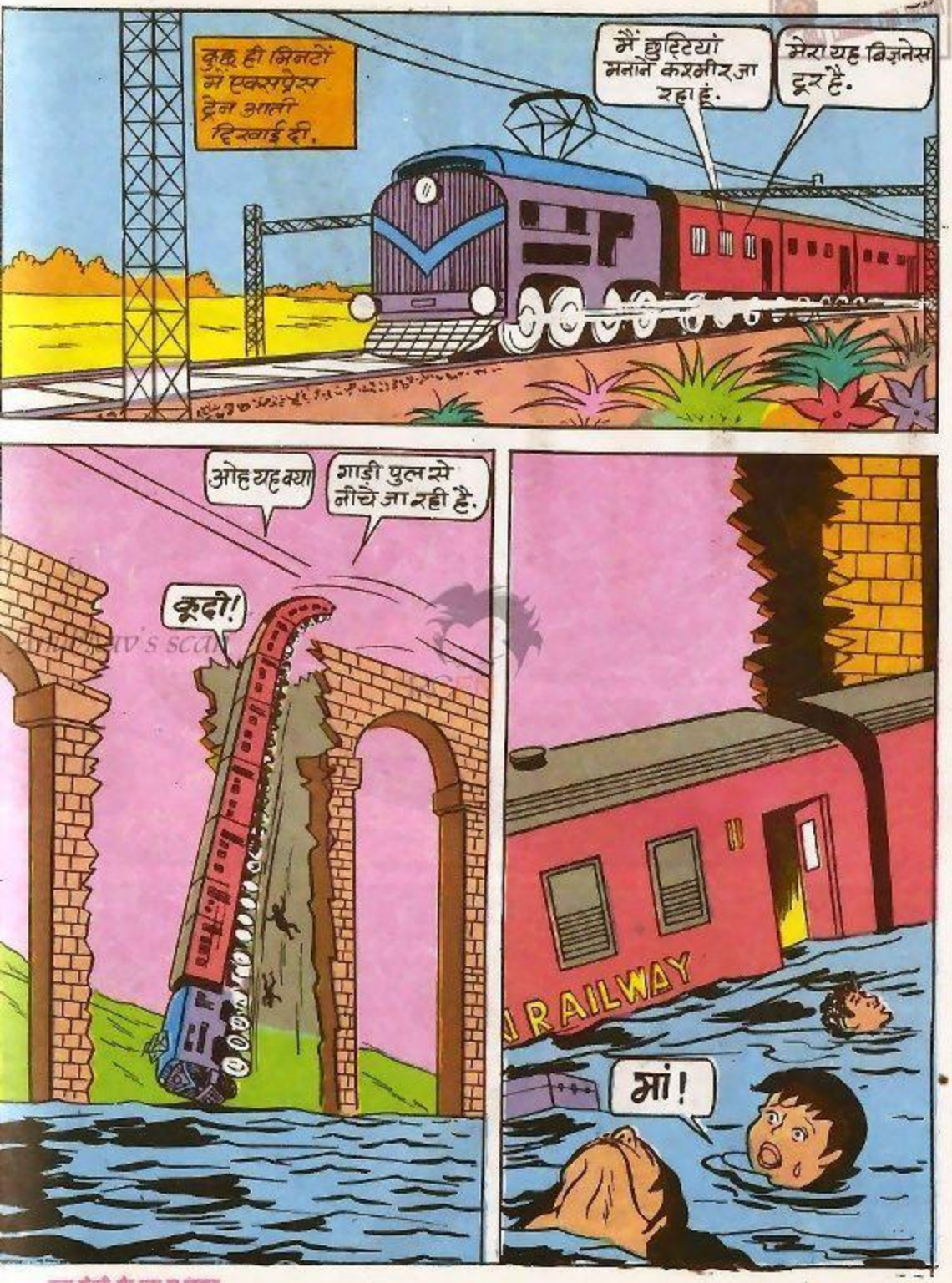
कुछ ही मिनटों में एक्सप्रेस ट्रेन आती दिखाई दी.
मैं छुट्टियां मनाने कश्मीर जा रहा हूं.
मेरा यह बिज़नेस टूर है.
ओह यह क्या
गाड़ी पुल से नीचे जा रही है.
कूदो!
RAILWAY
मां!

Copyright (c)

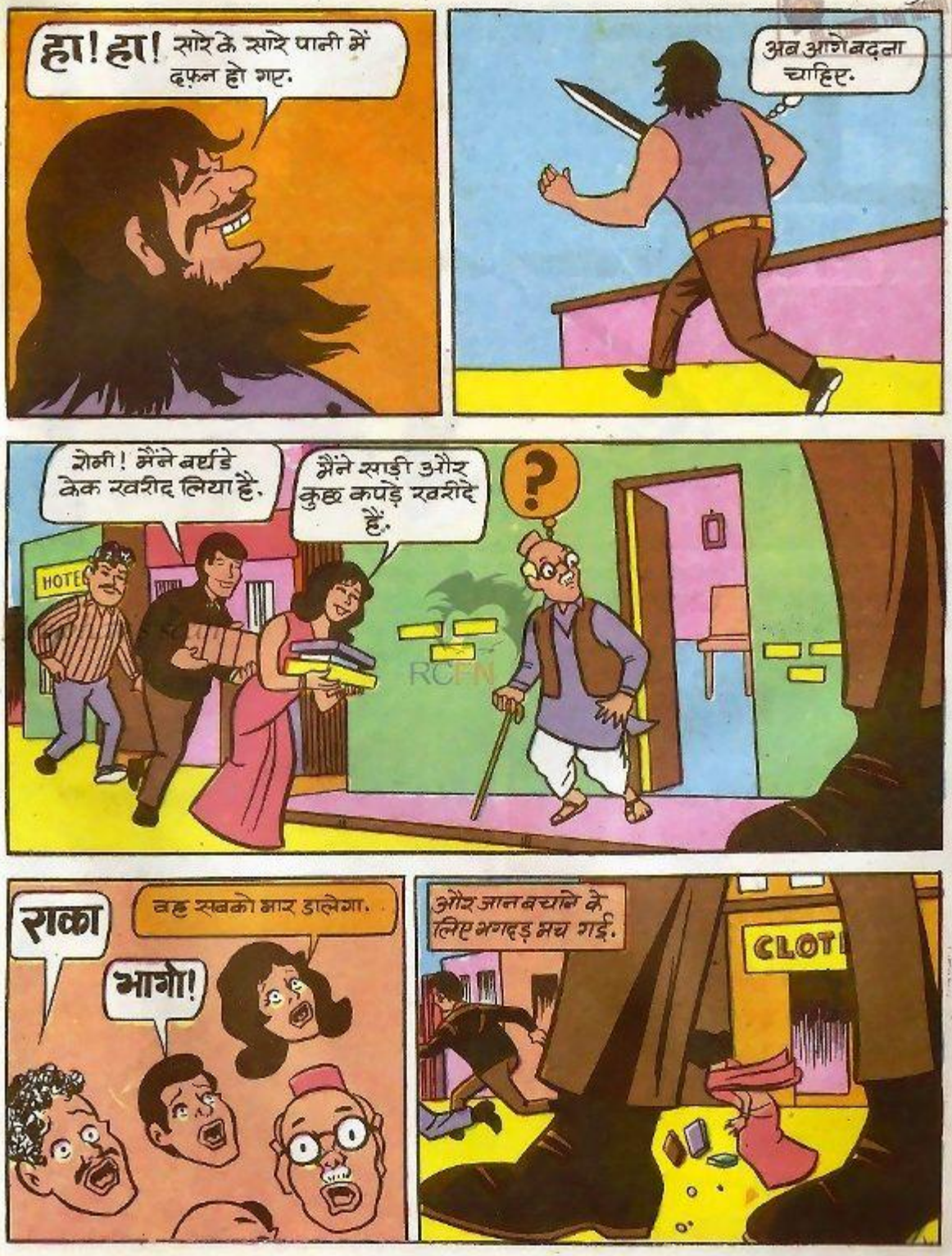
हा! हा! सारे के सारे पानी में दफ़न हो गए.
अब आगे बढ़ना चाहिए.
रोमी! मैंने बर्थडे केक खरीद लिया है.
मैंने साड़ी और कुछ कपड़े खरीदे हैं.
?
HOTE
राका
वह सबको मार डालेगा.
भागो!
और जान बचाने के लिए भगदड़ मच गई.
CLOT

Copyright (c)

लोग आखिर भागते कहां? राका की तलवार उन पर बरस पड़ी.

आह! मेरा बाजू!

और वह एक कस्बे से दूसरे कस्बे सबको उजाड़ता चला गया.!!!

नीचे शहर जल रहा है- लगता है राका पिंजरे से आज़ाद हो गया.

Copyright (c)

हां, वह रहा शैतान! शहर के बाहर ही मिल गया शायद अपना काम करके रुखसत हो रहा है.

नीचे उतरो कायरो! मुझसे कब तक छिपते रहोगे?

तुम समझते हो कि आसमान में तुम सुरक्षित हो. क्योंकि वहां मैं पहुंच नहीं सकता? पर जान लो, जब तक तुम नीचे नहीं उतरोगे, मेरी तलवार लोगों को काटती रहेगी.

सारी रात बुखार चढ़ा रहा. जाकर अस्पताल से दवाई लाऊं!

बुढ़िया अब तुझे कहीं जाने की जरूरत नहीं. ला तेरे सारे कष्टों का निवारण

Copyright (c)

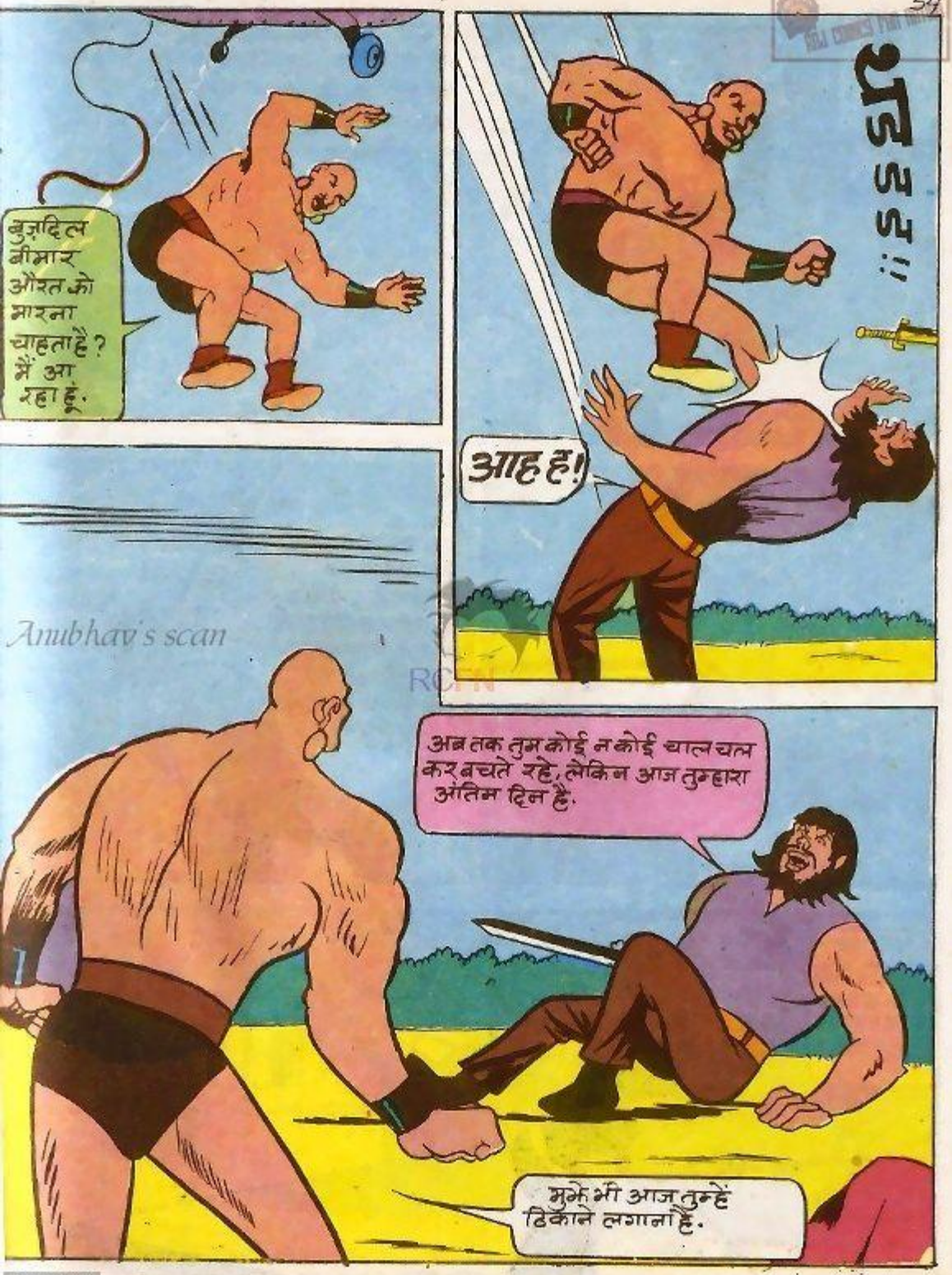

Anubhav's scan
Copyright (c)

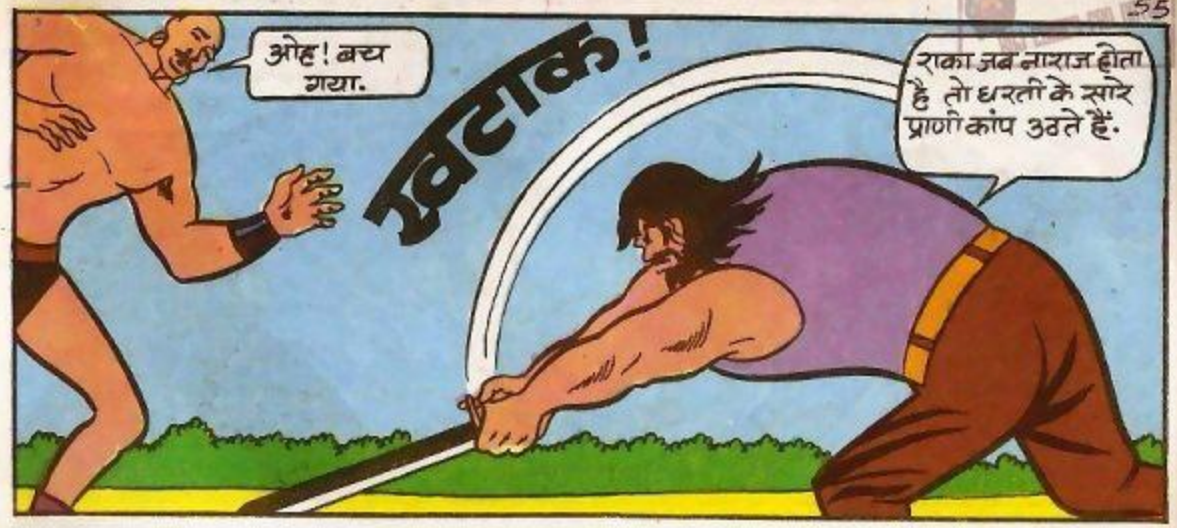
ओह! बच गया.
खटाक!
राका जब नाराज होता है तो धरती के सारे प्राणी कांप उठते हैं.

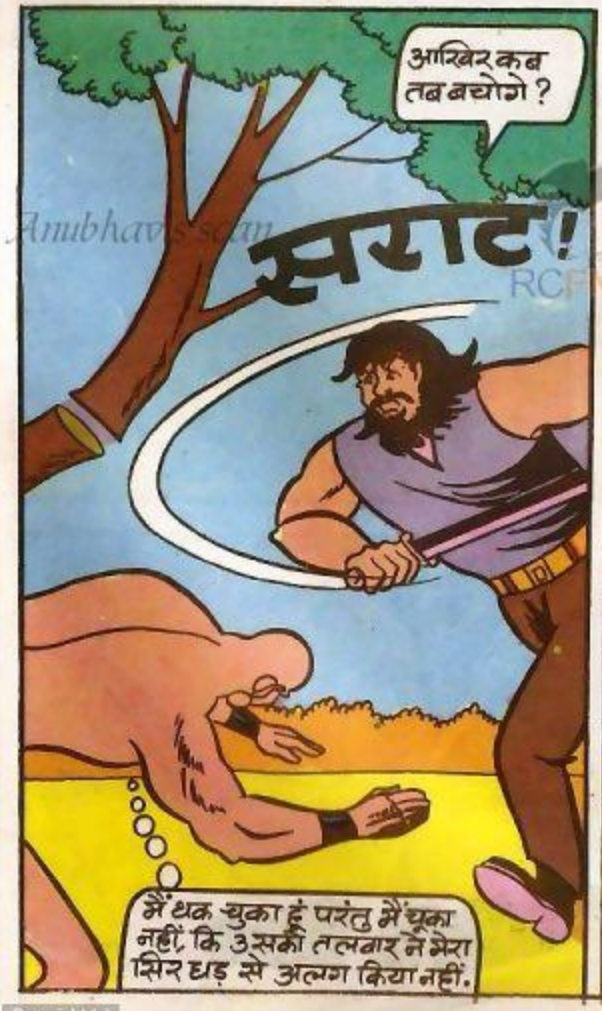
आखिर कब तब बचोगे?
सराट!
मैं थक चुका हूं परंतु मैं चूका नहीं, कि उसकी तलवार ने मेरा सिर धड़ से अलग किया नहीं.

यह शैतान निहत्थे साधु पर वार किए जा रहा है. यह पेचकस राका का ध्यान शायद कुछ बटा दे.

चाचा चौधरी ने पूरे जोर से पेचकस राका के पैर पर दे मारा.

Copyright (c)

राका आग बबूला हो उठता है.

चल हट! दो शेरों की लड़ाई में मच्छर का क्या काम?

चाचा चौधरी दूर सूखे घास के ढेर में जा गिरा.

धपपप!

ओह! वह जादुई बोतल घासफूस में कहां खो गई? उसे ढूंढना जरूरी है.

फलाक!

इस बार राका की तलवार साबू के कन्धे को तराशती हुई चली गई. कन्धे से खून बह निकला.

Copyright (c)

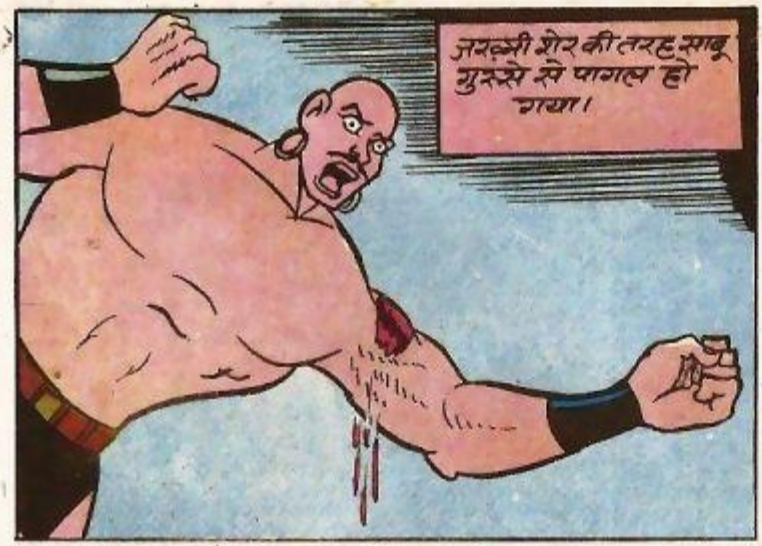

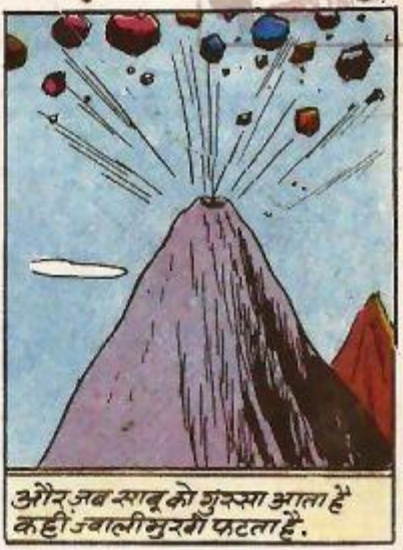

Anubhav's scan

Copyright (c)

राका चक्कर खाकर चित्त हो गया.
ओह!
चाचा जी! बोतल लाओ. इस जंगली जानवर को बंद कर दें.
अरे वह कमबख्त तो मिल नहीं रही.
जल्दी ढूंढिये. इस भारी भरकम को मैं ज्यादा देर तक उठाए नहीं रख सकता.
मुझे नीचे उतारो.

Copyright (c)

अहा! मिल गयी नानी मां की जादुई बोतल.

साबू! मैं आ गया. फैंको उस पिशाच को.

ओह... ह ह !!

लो!

हाथ बोतल में प्रविष्ट कर गया. बाकी शरीर भी अन्दर आ रहा है.

मुझे बाहर निकालो! मुझे बाहर निकालो!!

अब आप अन्दर ही तशरीफ़ रखेंगे.

इस बोतल का क्या किया जाए?

मेरे ख्याल से गड्ढा खोदकर इसे गाड़ दिया जाए. जमीन के अन्दर होगी तो इसका कार्क नहीं खुलेगा और न राक्षस फिर कभी बाहर आ सकेगा.

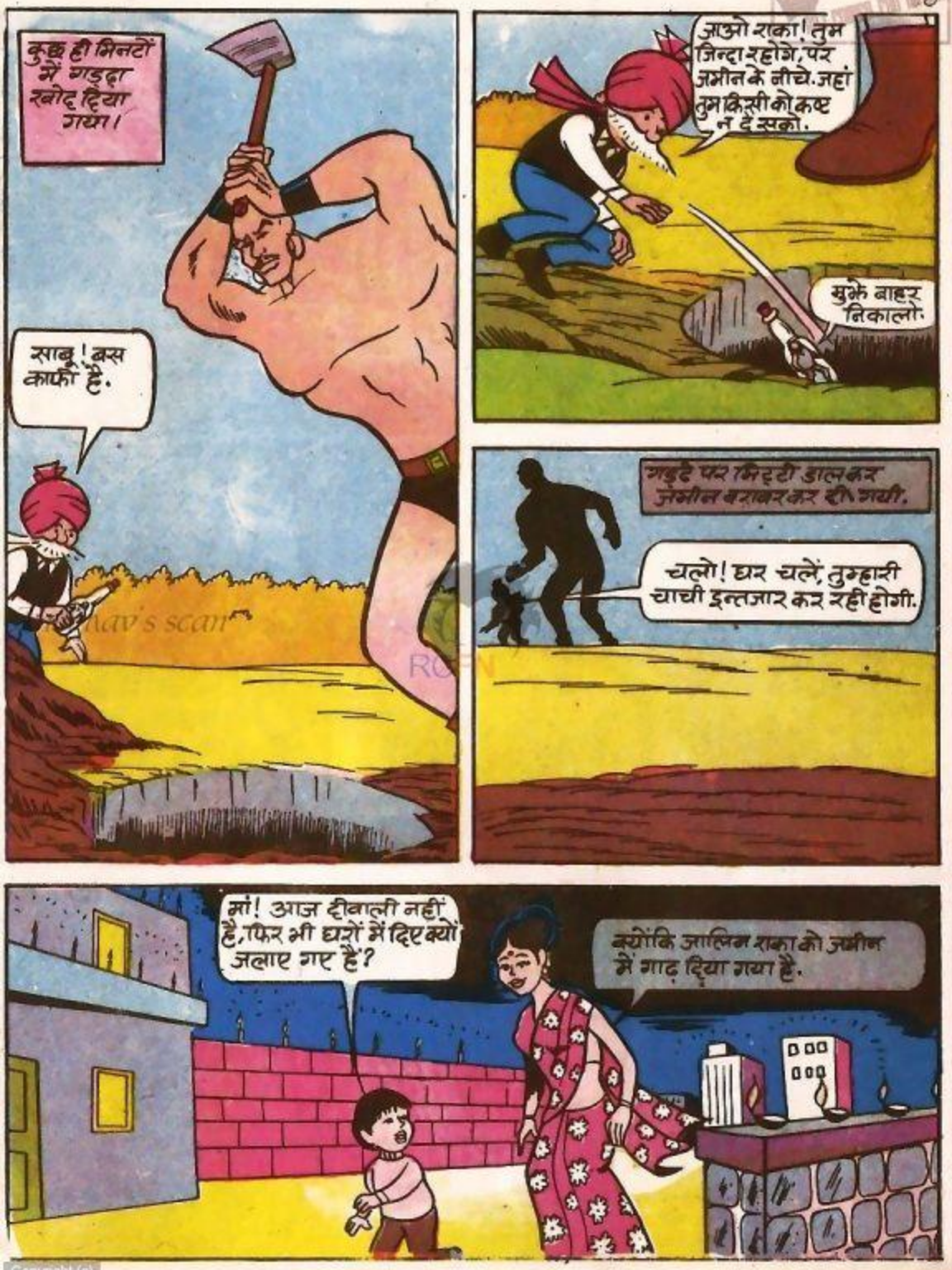
कुछ ही मिनटों में गड्ढा खोद दिया गया।
साबू! बस काफी है.
जाओ राका! तुम जिन्दा रहोगे, पर जमीन के नीचे. जहां तुम किसी को कष्ट न दे सको.
मुझे बाहर निकालो.
गड्ढे पर मिट्टी डाल कर जमीन बराबर कर दी गयी.
चलो! घर चलें, तुम्हारी चाची इन्तजार कर रही होगी.
मां! आज दीवाली नहीं है, फिर भी घरों में दिए क्यों जलाए गए हैं?
क्योंकि जालिम राका को जमीन में गाढ़ दिया गया है.
Copyright (c)